डा० गिरजा उरांव
रसोसिएट प्रो०
R.M.C. सासाराम

बी० ए० पार्ट - III Hons
सत्र - 2019 - 20
विषय :- PSY paper V

सर्वेक्षण - विधि (Survey method).

सर्वेक्षण का शाब्दिक अर्थ अवलोकन या अन्वेषण अथवा ऊपर से देखना है। समाज मनोविज्ञान में इस प्रकार के अनुसंधानों का बहुत अधिक महत्व है। करलिंगर के अनुसार " सर्वेक्षण अनुसंधान वैज्ञानिक अन्वेषण की वह शाखा है जिसके अन्तर्गत छोटे आकार की जनसंख्या (या सम्पूर्ण जनसंख्या) का अध्ययन इन जनसंख्याओं से चुने गये प्रतिदर्श के आधार पर इस उद्देश्य से किया जाता है कि उनमें व्याप्त सामाजिक तथा मनोवैज्ञानिक चरों के घटना क्रम वितरण और पारस्परिक अन्तः सम्बंधों का ज्ञान प्राप्त हो सके। Survey research is that branch of social scientific investigation that studies Large and small population by selective and studying samples chosen from the populations to discover the relative incidence, distribution and interrelations of sociological and psychological variables.

सर्वे-विधि का भी प्रयोग समाज मनोवैज्ञानिकों द्वारा किया गया है। सर्वे-विधि वह विधि है जिसमें शोधकर्ता एक प्रतिनिधि प्रतिदर्श (Repersentative Sample) लेकर किसी सामाजिक समस्या के प्रति व्यक्तियों की मनोवृत्ति, मत विचार आदि का अध्ययन साक्षात्कार द्वारा या प्रश्नावली द्वारा करता है। सर्वे-विधि में प्रायः एक बड़ी जनसंख्या के भिन्न-2 वर्गों के लोगों के प्रतिदर्श के रूप में सम्मिलित किया जाता है। जैसे- यदि कोई शोधकर्ता रविवार के

दिन टेलीविजन पर दिखलाये जाने वाले फीचर फिल्मों के गुण (quality) के प्रति लोगों की राय जानने के लिए सर्वे-विधि का उपयोग करता है तो इस अध्ययन में वह अपने प्रतिदर्श (Sample) में भारत के प्रत्येक राज्य से कुछ व्यक्तियों का चयन करेगा फिर प्रत्येक राज्य से चुने गये व्यक्ति प्रत्येक वर्ग, धर्म, आय समूह उम्र समूह से लिये जायेंगे। चयन प्रत्येक स्तर पर जहाँ तक संभव है, यादृच्छिक ढंग से होगा। ऐसा करने से अध्ययन किये जाने वाले व्यक्तियों का जो समूह यानी प्रतिदर्श तैयार होगा, वह एक प्रतिनिधि प्रतिदर्श होगा। सर्वे विधि द्वारा अध्ययन करने में एक प्रतिनिधि प्रतिदर्श पर इसलिए जोर दिया जाता है कि इस तरह के प्रतिदर्श से प्राप्त निष्कर्ष पूरी जनसंख्या के लिए अधिक सही एवं उचित होगा। सर्वे विधि में कौन विषय का अध्ययन किया जायेगा और किन तरह के व्यक्ति उसमें सम्मिलित किये जायेंगे, यह सर्वे के उद्देश्य पर निर्भर करता है। सर्वे का उद्देश्य मात्र वर्णनात्मक भी हो सकता है या सहसंबंधात्मक भी हो सकता है।

ऊपर वर्णन किये गये तथ्यों के आधार पर सर्वे विधि की प्रमुख विशेषताओं का संक्षेपण इस प्रकार प्रस्तुत किया जा सकता है—

1. सर्वे विधि में शोधकर्ता सामान्य जनसंख्या के भिन्न-2 वर्गों से व्यक्तियों का यथासंभव यादृच्छिक रूप से चयन करके एक प्रतिनिधिक प्रतिदर्श तैयार करता है।
2. सर्वे विधि का उद्देश्य वर्णनात्मक भी हो सकता है या सहसंबंधात्मक भी।

Scanned with CamScanner

3. सर्वे विधि में आँकड़ों का संग्रह प्रायः साक्षात्कार द्वारा या डाक प्रश्नावली द्वारा किया जाता है।

सर्वे विधि में इस तरह से समाज मनोवैज्ञानिकों तथा समाजशास्त्रियों द्वारा मूल रूप से दो प्रविधियों अर्थात साक्षात्कार और डाक प्रश्नावली का प्रयोग किया जाता है जिसका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है।

Scanned with CamScanner